

खबर संक्षेप

मारपीट मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कसोला पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 5 अगस्त को मारपीट करने और धमकी देने का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में भिवानी के तोशाम निवासी निखिल को गिरफ्तार कर लिया। रामपुरा थाना पुलिस ने घायल के बयान पर गत 9 जून को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में यादव नगर निवासी सुदेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

युवक की मौत के बाद हुआ पोस्टमार्टम

रेवाड़ी। मसानी के एक युवक की बीमारी के चलते मौत के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। गांव निवासी 43 वर्षीय शमशेर बीमार चल रहा था। शनिवार की रात अचानक उसकी तबियत ज्यादा खराब हो गई। परिजन उसे एक प्राइवेट अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर हुए हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने 25 जुलाई को केस दर्ज करने के बाद चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में रोहतक के खेड़ी सांपला निवासी नकुल को गिरफ्तार कर लिया। तपतीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

कोर्ट से घोषित किया गया पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार करने के बाद तपतीश में शामिल कर लिया। अदालत में चल रहे मामले में दिल्ली के शाहबास निवासी नितिन कुमार हाजिर नहीं हो रहा था। कोर्ट ने उसे लगभग 6 साल पहले पीओ घोषित कर दिया था। कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ 6 फरवरी 2020 को केस दर्ज किया गया था। आरोपी को सेशन कोर्ट से जमानत मिलने के कारण पुलिस ने उसे तपतीश में शामिल करने के बाद छोड़ दिया।

सट्टा खाईवाली करते एक आरोपी काबू रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अजय नगर निवासी पवन कुमार सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। सट्टे का नंबर लगाने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 1320 रुपये राशि बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ मैगलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

अवैध रूप से शराब बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला राजीव नगर रेवाड़ी निवासी मनीष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 पच्चे देशी शराब बरामद की है। गत 8 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि मनीष निवासी मोहल्ला राजीव नगर सेक्टर-5 में अवैध रूप से शराब बेचने का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को अवैध शराब सहित काबू कर लिया।

शहर में कभी भी भरभराकर गिर सकते हैं पुराने भवन

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

बरसात के मौसम में पुराने जर्जर भवनों के गिरने का खतरा ज्यादा बन जाता है। शहर में काफी संख्या में जर्जर हवेलियों के बीच मौत के साये में लोग रह रहे हैं। इन खस्ताहाल भवनों के कभी भी भरभराकर गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। इसके अलावा शहर में कई प्राचीन धरोहर व ऐतिहासिक गेट भी देखरेख के अभाव में अपना अस्तित्व खोकर कंडम होते जा रहे हैं। बावल व नाहड़ में भी कई जर्जर भवनों में कार्यालय चल रहे हैं। शहर के प्रत्येक मोहल्लों में 4 से 5 पुरानी

जर्जर हवेली स्थित है। 22 अगस्त 2023 को शहर के बीच स्थित भाड़ावास गेट का मलबा गिरने से एक बुजुर्ग शिक्षक की जान चली गई थी। इसके बाद इन ऐतिहासिक गेटों की मरम्मत कराने के आदेश दिए गए, लेकिन तीन साल में भी इन गेटों का जीर्णोद्धार नहीं किया गया है। नगर परिषद की ओर से न तो जर्जर भवनों पर कोई कार्रवाई की जा रही है और न ही ऐतिहासिक धरोहरों की देखरेख की जा रही है। नगर परिषद की ओर से इन जर्जर भवनों को लेकर काफी दिनों से कोई सवे तक नहीं किया गया है।

►► प्रत्येक मोहल्ले में मौत की हवेलियां

शहर के प्रत्येक पुराने मोहल्ले में जर्जर हवेलियां हादसे को दावत दे रही हैं। मुक्तिवाड़ा स्थित मुक्ति हवेली काफी समय पहले ही कंडम घोषित की जा चुकी है, जोकि कभी भी गिरकर अनहोनी कर सकती है। इसके अलावा गुर्जरवाड़ा, पुरानी तहसील के पास, चौधरीवाड़ा, कायस्थवाड़ा, खासापुरा, जैनपुरी, स्वामीवाड़ा, बल्लूवाड़ा व बास सिताबराय सहित कई मोहल्लों में जर्जर भवन हादसे को न्योता दे रहे हैं। इन जर्जर भवनों के पास से गुजरने में भी खतरे का आभास होता है।

सीआईए धारूहेड़ा ने अवैध देशी कट्टे के साथ एक आरोपी दबोचा

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी।

फोटो: हरिभूमि

■ तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ

हरिभूमि न्यूज ►► धारूहेड़ा

जिला पुलिस ने ऑपरेशन ट्रेक डाउन के तहत संगीन अपराधों में शामिल व वांछित अपराधियों की धरपकड़ तेज कर दी है। सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विनोद उर्फ दरबारी निवासी गांव शहबाजपुर खालसा के रूप में हुई है। गत 8 अगस्त को सीआईए को सूचना मिली कि आरोपी विनोद उर्फ दरबारी के पास अवैध हथियार है तथा वह गांव मसानी के एक निजी स्कूल के पास किसी का इंटरज कर रहा है। सूचना पर सीआईए टीम ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना धारूहेड़ा में शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किया गया आरोपी विनोद उर्फ दरबारी एक आदतन अपराधी है। आरोपी के खिलाफ पहले भी थाना धारूहेड़ा तथा गुरुग्राम के थाना खेडकी दौला में लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के 2 अपराधिक मामले दर्ज हैं। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अवैध गतिविधियों और अपराधिक वारदातों में शामिल किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

तीज महोत्सव में महिलाओं ने सावन की जमकर छटा बिखेरी

रुस्तगी महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

■ भाजपा नेत्री कृपा जैमिनी ने भी अपनी नृत्य कला से सभी को मंत्रमुग्ध किया

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

रुस्तगी महिला मंडल की ओर से दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक स्कूल में हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दोपहर को शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात्रि तक जारी रहा। तीज महोत्सव में महिलाओं ने सावन की जमकर छटा बिखेरी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की जिला

अध्यक्ष वंदना पोपली ने शिरकत की, जबकि कैपली कॉलेज की प्राचार्या डा. कविता गुप्ता व सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल की प्राचार्या संगीता यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। कार्यक्रम में नंदिनि रुस्तगी, प्रियंका रुस्तगी, दिव्या, चारु रुस्तगी, माही रुस्तगी, लावण्या रुस्तगी, वैशाली रुस्तगी, अंतिम, अभिलाषा, वाची व सांझ की नृत्य प्रस्तुति ने समां बांधा। भाजपा नेत्री कृपा जैमिनी ने भी अपनी नृत्य कला से सभी को मंत्रमुग्ध किया। पूनम भारद्वाज ने अपनी गीत प्रस्तुति से सभी का मन मोहा। महिलाओं ने नृत्य, संगीत व

शहर के प्रत्येक मोहल्लों में जर्जर अवस्था में आ चुकी हवेलियां नप की लापरवाही कर रही लोगों की जान से खिलवाड़

ऐतिहासिक धरोहरों पर भी नहीं दिया जा रहा ध्यान

रेवाड़ी। भाड़ावास गेट पर ऊगे पेड़ बन सकते हादसे का कारण।

फोटो: हरिभूमि

►► कई बार गिर चुका मुक्ति हवेली का मलबा

शहर के पुराने भवन व हवेलियां लोगों के लिए खतरा बनती जा रही हैं। इन खस्ताहाल भवनों के कभी भी गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। 16 नवंबर 2023 में मुक्तिवाड़ा मोहल्ला स्थित कंडम घोषित मुक्ति हवेली को एक हिस्सा गिर गया। दीवार का मलबा गिरने से पास में ही खड़ी दो कार और एक रेहड़ी मलबे में दबकर पूरी तरह खत्म हो गई। दीवार गिरते समय वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार भी बाल-बाल बच गया। मुक्ति हवेली का मलबा कई बार गिर चुका है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सगे भाइयों की मौत

रेवाड़ी। शनिवार की रात साल्हावास कट के पास किसी वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

राजस्थान के बघेरी खुर्द निवासी 20 वर्षीय नरेंद्र और 19 वर्षीय प्रिंस की करनावास बस स्टैंड पर परचून की दुकान है। दोनों भाई अपनी बहन पूजा के पास संगवाड़ी गांव में रहते थे। दोनों भाई अविवाहित थे। परिवार चलाने के लिए उन्होंने करनावास में दुकान की थी। शनिवार देर शाम दुकान बंद करने के बाद दोनों भाई बाइक लेकर संगवाड़ी के लिए निकले थे। जब वह दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के साल्हावास कट पर पहुंचे, तो किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की ईआरवी ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से उस वाहन का पता लगाने के प्रयास कर रही है, जिसने हादसे को अंजाम दिया।

आरोपी के मकान के कमरे से बरामद हुआ था हथियार, पुलिस ने ठीक होने के बाद आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

मोतला खुर्द में गत 18 जुलाई को घर में रखे अवैध देशी पिस्टल की गोली से जब एक बस चालक घायल हुआ, तो उसके अवैध हथियार रखने का राजफाश हो गया। पुलिस ने घायल के बयान पर उसी के देशी पिस्टल की गोली ऑपरेशन के बाद निकाली गई थी। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर थाना जाटूसाना पुलिस ने गुरुग्राम के

चलाने वाले महेश कुमार को उसके परिजनों ने पहले शहर के एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया था। बाद में परिजन उसे गुरुग्राम ले गए थे। महेश को छाती में गोली लगी हुई थी, इसलिए प्राइवेट अस्पताल प्रबंधन की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। महेश को छाती से देशी पिस्टल की गोली ऑपरेशन के बाद निकाली गई थी। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर थाना जाटूसाना पुलिस ने गुरुग्राम के

निजी अस्पताल पहुंचकर महेश के बयान दर्ज किए थे। महेश ने पुलिस बयान में बताया था कि चार दिन पहले वह अपने खेत में घूमने के लिए गया हुआ था। वहां खेत के डोल पर उसे एक पिस्टल पड़ी देखी। उसने पिस्टल के बारे में किसी को नहीं बताया। पिस्टल घर लेकर छुपाकर रख दी। इसके बाद एक दिन वह कमरे में अकेला पिस्टल को देख रहा था। पिस्टल से गोली चल गई, जो उसकी छाती में लगी।

अपनी ही पिस्टल से लगी गोली, तो खुला अवैध हथियार रखने का राज

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने एक कंपनी कर्मचारी का मोबाइल फोन हैक करने के बाद उसके बैंक खाते से 50 हजार रुपये उड़ाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथियों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस शिकायत में सूची के जिला हरदोई बुढामोक निवासी विनीत सिंह ने पुलिस को दर्ज शिकयत में बताया था कि वह बावल की एक कंपनी में नौकरी करता है। वह सुठानी गांव में किराए के मकान में रह रहा है। 12 जुलाई को वह

अपनी ही पिस्टल से लगी गोली, तो खुला अवैध हथियार रखने का राज

संदेहास्पद नजर आया मामला

पुलिस ने एफआरआर में यह बात साफ की है कि महेश का बयान संदेहास्पद नजर आ रहा है। अगर उसे पिस्टल खेत में मिला था, तो उसकी सूचना पुलिस को क्यों नहीं दी। चूंकि उसके पास शस्त्र लाइसेंस नहीं था, इसलिए पुलिस ने उसी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत 23 जुलाई को केस दर्ज किया था। पुलिस ने उसके घर से देशी पिस्टल व एक गोली का खाली बरामद किया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी महेश को गिरफ्तार कर लिया। उसके पूरी तरह से स्वस्थ नहीं होने के कारण उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सावन के दूसरे सोमवार पर आज श्रद्धालु करेंगे मोलेबाबा की अराधना

रेवाड़ी। भगवान शिव का प्रिय सावन माह चल रहा है। सोमवार 10 अगस्त को श्रद्धालु सावन माह के दूसरे सोमवार पर व्रत रखकर भगवान शिव की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा-अर्चना करेंगे। भगवान शिव को सोमवार विशेष प्रिय है। शहरों में भी सोमवार को लेकर उल्लेख भी है कि भगवान शिव सोमवार को अपना ही स्वरूप मानते हैं। इसलिए इसे सोम कहा गया है। सोमवार का व्रत करने वाले श्रद्धालुओं को गोले शंकर मनावंछित फल देते हैं। यह भी उल्लेख है कि सोमवार के दिन शिव पूजा का विशेष महात्म्य है, जो केवल सोमवार को ही भगवान शिव की पूजा करते हैं, उनके लिए इहलोक व परलोक में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। सावन माह को भगवान शिव की आराधना का माह माना जाता है।

ये मौजूद रहे

कार्यक्रम के आयोजन में मंडल की सदस्य उषा रुस्तगी, हेमा रुस्तगी, शिल्पा रुस्तगी, शिखा रुस्तगी, मंजू रुस्तगी, इन्दु रुस्तगी, प्रियंका रुस्तगी व पूजा रुस्तगी का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर चांदनी चांदना, नेहा शर्मा, डा. पूनम जैन, पूनम शर्मा, मनीषा रुस्तगी, शानू, कनक रुस्तगी, बीना रुस्तगी, सुमित्रा रुस्तगी, श्रद्धा, सोनाली, योगिता, ऋतु, पवित्रा, नेहा रुस्तगी, पायल रुस्तगी, रेनु, भावना व किरण सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद थे।

शहर के चारों गेटों पर उगे पेड़

शहर में प्राचीन काल से बने हुए चार ऐतिहासिक गेट हैं। शहर में कानोड गेट, गोकल गेट, दिल्ली गेट व भाड़ावास चार प्राचीन गेट स्थित हैं। देखरेख के अभाव में चारों गेटों की हालत दयनीय होती जा रही है। देखरेख के अभाव में इन गेटों के ऊपर पेड़ उग रहे हैं, जिनकी जड़ें फैलकर इनकी दीवारों को कमजोर कर रही हैं। नगर परिषद की ओर से इस ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भाड़ावास गेट से मलबा गिरने का कारण बना पेड़ फिर से ऐतिहासिक धरोहर पर बढ़ रहा है। वहीं दिल्ली गेट पर भी पेड़ दीवारों में दूरा डाल रहा है।

रेवाड़ी। मुक्तिवाड़ा स्थित कंडम घोषित मुक्ति हवेली।

फोटो: हरिभूमि

कैचनम् मसाले



कहानी

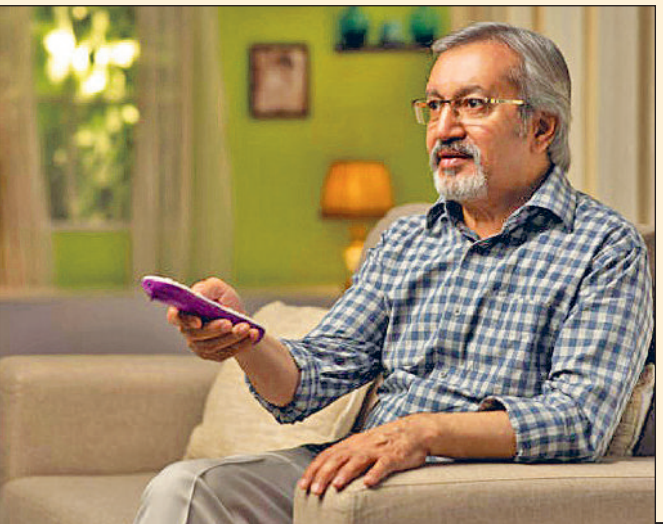
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गृहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशांत दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

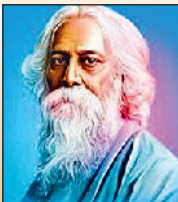


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पल्लवों को फैलाने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भृपसिंह भारती
	

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झूठ पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहनाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावना रूप है इसका, ये सबके मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग रंग में उठते, हम झुंझ पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
	

अपूर्णता का आकाश

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।
भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।
स्वाभाव फैले थे अगनिनत पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुईं उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से पहले ज्ञानी होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समाप्त होनी वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिवले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक दाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

शक्तियां पर्याप्त हैं। वह किसी को भी प्रवेश दे सकता है, निष्कासित कर सकता है और सबसे बड़ी बात गुप का नाम बदल सकता है। यहां तथ्य गलत हो सकता है, आदमी कभी गलत नहीं होता। बल्कि जितनी बार उसकी खबर झूठी निकलती है, उतनी ही मजबूती से उसका विश्वास पक्का होता जाता है कि सच को ढबाने की कोई बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इस तरह व्हाट्सएप ने मनुष्य को वह दुर्लभ सुविधा दी है जिसमें अज्ञान भी बढ़ता रहता है और आत्मविश्वास भी। दोष केवल व्हाट्सएप का नहीं है। व्हाट्सएप बेचारा वही देता है जिसकी मांग है।

हमें सूचना कम चाहिए, पुष्टि अधिक चाहिए। हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संदेह घटता जाता है। अंततः वह उस ऊंचाई पर पहुंच जाता है, जहां संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिर"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुछ लोग गुप हो गए। कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती

है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो

"थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं-

"रुक जाओ बदल जाओ '

"कमरे में गहरी खामोशी थी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया—"आज से न कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा।"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था।

इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

10

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक

दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की संकलितताएं और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

कुछ हटकर

इंटरनेशिप : यूजी-पीजी छात्रों के लिए बेहतरीन करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनेशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनेशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटरनेशिप क्यों आवश्यक है?
क्यों अनुभव प्राप्त होता है ,
व्यक्तित्व एवं संचार कौशल विकसित होते हैं,
रोजगार के



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और चयन पत्र की धैरता जाँचें
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनेशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनेशिप के दौरान समय प्रबंधन
 - टीम के साथ कार्य करना
 - व्यावसायिक संचार कौशल
 - प्रस्तुतीकरण कौशल
 - समस्या समाधान क्षमता
 - तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
- इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

हरिद्वार से बड़ी संख्या में कांवड़ लेकर आ रहे शिवभक्त, कल शिवालयों में जलामिषेक करेंगे कांवड़िये भक्तों ने दिखाई भक्ति की शक्ति, एक कंधे पर लाया शिव की प्रतिमा, दूसरा 31 लीटर जल के साथ कांवड़



हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

शिवरात्रि पर्व नजदीक आते ही हरिद्वार और नीलकंठ से कांवड़ ला रहे भक्तों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। शिव भक्तों पर भक्ति का जुनून इस कदर हावी है कि राजस्थान के शिव भक्त भगवान शिव की प्रतिमा ही कंधे पर उठाकर अपने गंतव्य की ओर चल रहे हैं, तो दूसरा 51 लीटर गंगाजल लटकी हुई कांवड़ लेकर निकला हुआ है। कांवड़ियों की सेवा के लिए जिले भर में 100 से ज्यादा स्थानों पर शिविर लगाए

आज से शिविरों का होगा समापन

कांवड़ियों के आने का सिलसिला रविवार को जोर पकड़ गया। अधिकांश कांवड़िए सोमवार तक अपने गांव या नजदीक पहुंच जाएंगे। इसके बाद सड़कों से कांवड़ियों की भीड़ गायब हो जाएगी। कांवड़ सेवा शिविरों का समापन भी सोमवार को कर दिया जाएगा। इसके बाद शिव मंदिरों में भीड़ बढ़नी शुरू हो जाएगी। इस एरिया में सर्वाधिक कांवड़ महेंद्रगढ़ के बाघेश्वर धाम में चढ़ाई जाती है, जबकि कई श्रद्धालु अपने गांव के मंदिर में ही कांवड़ भगवान शिव को समर्पित करते हैं।



रेवाड़ी। हरिद्वार से कांवड़ लेकर आते कांवड़िये। फोटो : हरिभूमि

हरिद्वार से शिव-पार्वती झांकी रथ लेकर कोसली पहुंचे कांवड़िये

कोसली। कोसली क्षेत्र में श्रावण मास की शिवरात्रि के पर्व के उपलक्ष्य में हरिद्वार के नीलकंठ से गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़ियों का आगमन शुरू हो गया है। कांवड़िए अपनी श्रद्धा अनुसार बैठी कांवड़, खड़ी कांवड़, झूला कांवड़ तथा डाक कांवड़ लेकर चल रहे हैं। कुछ श्रद्धालु रथ में महादेव पार्वती की झांकी के साथ गंगाजल लेकर पैदल यात्रा कर रहे हैं। महेंद्रगढ़ जिले के पाथेड़ा गांव के जोतराम धाम के गुरु मगत जसवंत सिंह भाटी के नेतृत्व में 22 लोगों का पैदल जत्था हरिद्वार से रथ में गंगाजल लेकर पैदल रथ को खींचते हुए कोसली पहुंचा। ये दल 11 अगस्त को शिवरात्रि के पर्व पर महेंद्रगढ़ के जोतराम धाम में पहुंचेगा। कोसली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने जत्थे का स्वागत किया।



रेवाड़ी। शिव पार्वती की झांकी के रथ को खींचते कोसली पहुंचे श्रद्धालु।

प्रजापति चेरिटेबल ट्रस्ट की बैठक में समाजहित पर चर्चा, ट्रस्ट के विस्तार को लेकर लिए निर्णय

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

जीएमडी प्रजापति चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को कैप्टन रोशन लाल प्रजापति की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चेयरपर्सन डा. सोनिया वर्मा व संस्थापक डा. सुरेंद्र वर्मा सहित ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य ट्रस्ट की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना, समाज के हित में नए कार्यों को बढ़ावा देना तथा ट्रस्ट का विस्तार करना रहा। बैठक में समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

मिट्टी के बर्तनों के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी लाभों को समाज के लोगों तक पहुंचाने तथा इनके अधिक से अधिक उपयोग के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर चर्चा की गई। समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा एवं करियर के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से आने वाले समय में प्रतिष्ठित एवं योग्य डॉक्टर, इंजीनियर, बिजनेसमैन तथा प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित कर मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित करने



का निर्णय लिया गया। हरियाणवी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए हरियाली तीज कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सेठी प्रजापति, हरियाणा अध्यक्ष जोनी प्रजापति, स्टेट कॉर्डिनेटर लक्ष्मण सिंह जाजोरिया, जिला प्रधान कोकी प्रजापति, उपप्रधान डा. शीशराम, सचिव शेरसिंह, जिला कॉर्डिनेटर महेंद्र सिंह ठेकेदार, जिला एडवाइजर डा. आनंद कुमार, डा. विजयपाल, प्रधान संरक्षक नरेंद्र, संरक्षक ओमप्रकाश, संरक्षक सुंदरलाल, संरक्षक नंदू प्रजापति, सचिव प्रदीप कुमार प्रजापति, कॉर्डिनेटर कृष्ण कुमार, कॉर्डिनेटर कुलदीप, कॉर्डिनेटर रमेश कुमार, राजेंद्र एवं एडवोकेट ऊषा प्रजापति सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मां के ममत्व, त्याग और समर्पण को शब्दों में बांधना कठिन

■ राष्ट्रीय कवि संगम परिवार की ओर से हुई काव्य-गोष्ठी पुस्तक का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी



रेवाड़ी। कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय कवि संगम परिवार की ओर से रविवार को निजी इंस्टिट्यूट में पुस्तक-लोकार्पण एवं काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दर्शना शर्मा जिज्ञासु की मां के ममत्व, त्याग और संवेदनाओं को समर्पित विशिष्ट काव्य-कृति 'मां: एक पहेली' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं एवं श्रोताओं के बीच अद्भुत तालमेल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वरिष्ठ साहित्यकार एवं चीफ ट्रस्टी मनुमुक्त मानव मेमोरियल ट्रस्ट डा. रामनिवास मानव थे। उन्होंने कहा कि मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की

सबसे बड़ी संवेदना है। उन्होंने कहा कि मां के ममत्व, त्याग और समर्पण को शब्दों में बांधना अत्यंत कठिन कार्य है। कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. रमेशचंद्र शर्मा ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं का संवाहक भी है। मुख्य वक्ता सीएमईईई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोहा के प्राचार्य व वरिष्ठ

साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने कहा कि मां भारतीय संस्कृति और जीवन-मूल्यों की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब पारिवारिक एवं सामाजिक संवेदनाएं तेजी से बदल रही हैं, ऐसे समय में मां के त्याग, ममत्व और संस्कारों को केंद्र में रखकर लिखी गई कृति नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। सुषमा गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का स्वागत किया। मंच संचालन

» ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शकुंतला कौशिक, आरके कौशिक, जगदीश चंद, प्रदीप यादव, विजयपाल, जयगोविंद भारद्वाज, दिनेश कपूर, मनीज गर्ग, सुदर्शन कुमार, लोकेश दत्त, हर्ष शर्मा, अरुण कुमार द्विवेदी, श्रीमंगवान गुरुजी, प्रदीप कुमार शर्मा, महेंद्रपाल शर्मा, बंसीबाला, लक्ष्मी नारायण, सांवल राम, डा. सीएल सोनी, धीरज शर्मा जांगड़ा व रणजीत सिंह एडवोकेट उपस्थित थे।

गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में 462 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान | स्वयंसेवकों ने संभाली स्वच्छता की कमान

■ शिक्षा, सामाजिक एकता और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

प्रजापति कुम्हार सभा की ओर से रविवार को गुरु महाराज दक्ष प्रजापति जयंती एवं सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। प्रजापति कुम्हार सभा के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों गुरु दक्ष प्रजापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी सेल के जिला अध्यक्ष धर्मवीर वर्मा ने की, जबकि केके बंसीवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। रविंद्र कुमार गुरुग्राम ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धारूहेड़ा



रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

सुंदरलाल प्रजापति, विक्रम कुमार गुरुग्राम, चौधरी दैलतराम 360 व सेवानिवृत्त क्षेत्रीय अधिकारी ओमप्रकाश विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। प्रजापति कुम्हार सभा के जिला प्रधान रोशन लाल, दिलीप सिंह ठेकेदार, महेंद्र व बलबीर ठेकेदार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि केके बंसीवाल, अध्यक्ष धर्मवीर वर्मा एवं रविंद्र

कुमार ने समाज की एकता और प्रगति पर जोर दिया। वक्ताओं ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तलाशने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उचित मार्गदर्शन देकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाना समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए।

» ये रहे मौजूद

दर्शन सिंह प्रधान, स्तनीश प्रधान, अशोक कुमार, इन्द्र कुमार आर्य, टोनी रामपत प्रधान व नगर पार्षद नरेश बेडीवाल, नगर पार्षद बबल, ओपी वर्मा तथा सुबह सिंह पटवारी सहित विभिन्न क्षेत्रों से समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

समारोह में 462 होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा क्लास वन एवं क्लास टू अधिकारियों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, समाजसेवकों, सरपंचों, नंबरदारों, जिला परिषद सदस्यों, ब्लॉक समिति सदस्यों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन मास्टर महेंद्र सिंह, हरिकृष्णन एवं वीरसिंह प्रधान ने किया।

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत की ओर से युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में हाफ मैराथन के सफल आयोजन के बाद माय भारत के स्वयंसेवकों ने मैराथन मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाया। जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि जिलेभर में स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसके तहत युवाओं को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

हाफ मैराथन के समापन के बाद स्वयंसेवकों ने मैराथन मार्ग पर बिखरी प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और अन्य कचरा एकत्रित किया तथा पूरे मार्ग को सफाई



सुनिश्चित की। इस अभियान में हरीश, अशोक, हेमंत, सिद्धार्थ, स्नेह और काजल सहित अन्य माय भारत स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वयंसेवकों ने आमजन को भी सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। जिला युवा अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का समापन ही सेवा का समापन नहीं है।

ताजीपुर के खेल प्रांगण में गूंजा हरियाली का संदेश

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन के लिए विगत आठ वर्षों से पूर्ण समर्पण, निरंतरता व निःस्वार्थ भाव से कार्यरत हरित वसुधरा आधार समिति ने गांव ताजीपुर के निर्माणशील खेल प्रांगण में पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रजातियों के 151 बड़े फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। पौधों के दीर्घकालिक संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पौधे की सुरक्षा के लिए ट्रै गाइड्स भी लगाए गए। अभियान का शुभारंभ जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने किया। उन्होंने पौधरोपण को केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि मावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस मौके पर ताजीपुर की सरपंच राजबाला, सतबीर, सन्नी, समिति सचिव सुरेश सैनी, पूर्व उप-प्रधान राजेश सैनी, पूर्व सचिव उमेश सैनी, बाबूलाल यादव आदि मौजूद थे।



नारनौल। पौधरोपण करते समिति सदस्य व अन्य। फोटो: हरिभूमि

देश प्रेम राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना होगी मजबूत

हर घर तिरंगा अभियान का आगाज, सेल्फी अपलोड कर ले सकते हैं डिजिटल प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

रविवार से जिले में हर घर तिरंगा अभियान का आगाज हो गया। डीसी अभिषेक मोघा ने जिलावासियों से देशभक्ति की भावना के साथ अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। डीसी ने

बताया कि भारत सरकार की ओर से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अथवा फोटो पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। सफलतापूर्वक फोटो अपलोड करने के बाद नागरिक अपना डिजिटल प्रमाण-पत्र भी जनरेट कर डाउनलोड कर सकेंगे। डीसी ने कहा कि हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव और एकजुटता की भावना को प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मेरा तिरंगा, मेरी शान की भावना के

ऐसे अपलोड करें तिरंगे के साथ सेल्फी



जानकारी जैसे नाम, मोबाइल नंबर एवं राज्य दर्ज करने के बाद तिरंगे के साथ ली गई अपनी सेल्फी अथवा फोटो को चुनकर अपलोड करें और सबमिट के बटन पर क्लिक करें। फोटो अपलोड होने के पश्चात उपलब्ध विकल्प के माध्यम से डिजिटल प्रमाण-पत्र जनरेट कर डाउनलोड किया जा सकता है।

साथ प्रत्येक नागरिक इस अभियान का हिस्सा बने और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और मजबूत करें।

मोबाइल लौटा कर दिया ईमानदारी का परिचय

नारनौल। हरियाणा रोडवेज की बस सुबह 8-30 बजे रामबास से नारनौल आ रही थी, तब रामबास निवासी अमित शर्मा, जो नारनौल में चाय की दुकान चलाता है। उसका मोबाइल बस की सीट के नीचे गिर गया। अमित महावीर चौक पर उतरकर दुकान पर गया, तो अपना मोबाइल जेब में नहीं मिला, तो वह दौड़कर बस स्टैंड पर आया अपने फोन पर घंटी की, तो परिचालक संतलाल शर्मा ने मोबाइल उठाया और उसे बताया कि मोबाइल बस में गिर गया, जो मिला है। बस स्टैंड पर जाकर अपना मोबाइल ले सकते हैं। इसके बाद परिचालक ने चालक नवीन मान को बताया कि अमित शर्मा रामबास का मोबाइल बस में गिर गया था, आए तो बता देना। करीब 20 मिनट बाद अमित किसी दूसरे के फोन से घंटी की, तो चालक नवीन मान ने फोन उठाया और बताया कि यह फोन उसके पास है। दुकानदार अमित बस स्टैंड के पास आकर चालक व परिचालक से अपना मोबाइल लेकर संतुष्ट हुआ।



नारनौल। अमित शर्मा को मोबाइल सौंपते चालक नवीन मान व परिचालक संतलाल शर्मा।

डेंगू के 4 और मलेरिया के 10 मामले, डेंगू-मलेरिया मामलों में प्रदेश में छठे स्थान पर रेवाड़ी

स्वास्थ्य विभाग का ‘अम्ब्रेला अभियान’ से डेंगू-मलेरिया की रोकथाम पर फोकस



रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में सड़क पर जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

बुखार पीड़ित संदिग्ध मरीजों में डेंगू की जांच तथा मलेरिया की तैयार की जा रही स्लाइड

हरिभूमि न्यूज़►►रेवाड़ी

बारिश के बाद मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में समय रहते जलभराव खत्म करना और मच्छरों के लार्वा को नष्ट करना डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए अम्ब्रेला अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी रोकथाम गतिविधियों को एक छत के नीचे लाकर डेंगू और मलेरिया से शून्य मृत्यु तथा शून्य प्रकोप का लक्ष्य हासिल करना है। अभियान के तहत जिले में घर-घर जाकर मच्छरों के पनपने के स्रोतों की जांच, लार्वा सर्वे, फॉगिंग, बुखार के मरीजों का सर्वे, जांच तथा मरीजों के उपचार एवं रेफरल की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खासपुर गांव में होने वाला वार्षिक मेला रद्द

नारनौल। गांव खासपुर में एक अप्रत्याशित व हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। जिसके चलते श्री शनि शक्ति धाम खासपुर में भव्य रूप से आयोजित होने वाला नौवां वार्षिक मेला इस वर्ष रद्द कर दिया गया है। यह कठिन निर्णय गांव के दो युवा लड़कों की दुखद मृत्यु के बाद सर्वसम्मति से लिया गया है। यशवीर व अरविंद ने बताया कि 15 अगस्त को श्री शनि शक्ति धाम खासपुर की नौवीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले मेले को लेकर पूरे गांव में भारी उत्साह था। इस मौके पर डूई बैठक में भालसिंह यादव, बजरंग लाल मैनेजर, लालचंद यादव, प्रोफेसर डॉ. एसएन शर्मा, संजय यादव, सुखदेव, बिमला देवी व कमेटी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज़►► रेवाड़ी

सीआईए ने लगभग 8 साल पहले पुलिस हेडकांस्टेबल पर फायरिंग करने के आरोपी गोतस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत सीआईए ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। 8 सितंबर 2018 को थाना मांडल डाउन की पुलिस की पीसीआर रात्रि गश्त पर थी। उसी दौरान ढालियावास के पाए एक पिकअप गाड़ी में 5-6 युवक गोकसी के लिए गायों को चढ़ा रहे थे। दो-तीन गायों को पिकअप में चढ़ाया जा चुका था। पिकअप



करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू करते हुए तीन आरोपियों शागीर उर्फ समीर, तालिम उर्फ भोला और हड़िया भाट को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में नूंह जिला के गांव सालाहेड़ी निवासी साहिद उर्फ काला को सीआईए रेवाड़ी ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जीआरपी ने गुम हुए मोबाइल फोन तलाश कर मालिकों को सौंपे

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक रेलवेज हरियाणा जीविका गहलौत के मार्गदर्शन में जीआरपी की साइबर सेल रेलवे में हुए अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने में अहम भूमिका निभा रही है। रविवार को जीआरपी की साइबर सेल टीम ने लोगों के गुम हुए हजारों रुपये कीमत के 4 मोबाइल फोन को दूढ़कर मालिकों को सौंपे। एसएसओ कृष्ण कुमार ने बताया कि जीआरपी की साइबर सेल की टीम ने पहले भी स्मार्ट मोबाइल फोन को दूढ़कर उनके मालिकों को सौंपे थे। उन्होंने बताया कि सीईआईआर पोर्टल की खासियत यह है कि इस पर शिकायत रजिस्टर्ड करने उपरांत मोबाइल का आईएमईआई ब्लॉक हो जाता है और जल्द ही मोबाइल ट्रैस हो जाता है। एसएसओ ने कहा कि साइबर सेल लगातार गुमशुदा मोबाइल्स की मॉनिटरिंग करती है।



हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

रेवाड़ी कार्यालय : दूकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, रोडवेज 1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

जलभराव से बढ़ने लगा मच्छरों का प्रकोप

ये गतिविधियां रहेंगी प्रमुख

उपिट्टी सीएमओ डा. जोगेन्द्र तंवर ने बताया कि अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता और एएनएम प्रत्येक घर में कूलर, टायर तथा पानी जमा होने वाले अन्य स्थानों की जांच कर स्रोत नियंत्रण का कार्य किया जा रहा है। मेल बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ओर लार्वा सर्वे तथा बीडिंग इंडेक्स, कंटेनर इंडेक्स और हाउस इंडेक्स की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। नगर परिषद एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यकतानुसार फॉगिंग भी कराई जा रही है। लोगों को डेंगू-मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर, बैनर और नुककड़ नाटक सहित विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियां भी आयोजित हो रही है। आशा कार्यकर्ताओं की ओर से बुखार से पीड़ित मरीजों का सर्वे कर उनकी सूची तैयार की जा रही है।

मरीज के रेफरल की भी व्यवस्था

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुखार से पीड़ित मरीजों का सर्वे व लाइन लिस्टिंग की जा रही है। सद्विध मरीजों में डेंगू की एनएस-1, आईजीजी, आईजीएम जांच तथा मलेरिया की स्लाइड तैयार की जा रही है। चिकित्सकों की ओर से मरीजों के उपचार, डेंगू वाई में भर्ती तथा आवश्यकता पड़ने पर रेफरल की व्यवस्था भी की गई है।

सार्थक निरीक्षण के दौरान की जा रही जांच

सार्थक निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम से संबंधित व्यवस्थाओं की विशेष रूप से जांच की जा रही है। ओपीडी एवं वाई में डेंगू-मलेरिया से बचाव संबंधी पोस्टर और अन्य जागरूकता सामग्री की व्यवस्था की जा रही है। एचएमआईएस/आईएचआईपी पोर्टल पर डेंगू एवं मलेरिया के मामलों की जानकारी समय पर अपडेट की जा रही है। पिछले तीन माह के बुखार के मरीजों का रिकॉर्ड, लार्वा सर्वे रिपोर्ट तथा बीडिंग इंडेक्स की स्थिति भी देखी जा रही है। डेंगू वाई में आईवी प्लूड, प्लेटलेट मॉनिटरिंग तथा उपचार संबंधी प्रोटोकॉल की भी जांच की जा रही है।

रविवार को 10 मिनट दें, मच्छरों को पनपने से रोकें

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि प्रत्येक रविवार को केवल 10 मिनट निकालकर अपने घर और आसपास जमा पानी की जांच करें। कूलर, पानी की टैंकियों, गमलों, पुराने टायरों और कबाड़ में पानी जमा न होने दें। विभागीय रिकॉर्ड के लिए बारिश की रिपोर्ट, बारिश के तीन दिन बाद की स्रोत नियंत्रण गतिविधियों की फोटो तथा कॉमिंग रजिस्टर में पोस्ट-रेजिस्ट्रार कॉमिंग की एंट्री सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।



रेवाड़ी। शहर में फॉगिंग करते हुए कर्मचारी।

फोटो : हरिभूमि

प्रदेश के 10 जिलों के डेंगू व मलेरिया के आंकड़े

जिला	डेंगू	मलेरिया	कुल मामले
गुरुग्राम	45	9	54
झज्जर	38	22	60
सोनीपत	14	7	21
अंबाला	10	3	13
पंचकूला	10	6	16
यमुनानगर	8	2	10
महेंद्रगढ़	7	1	8
पानीपत	6	5	11
रेवाड़ी	4	10	14
कुरुक्षेत्र	1	1	2

बुखार होने पर तुरंत जांच कराएं



नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

डेंगू की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए घरों में पानी जमा न होने दें, कूलर एवं अन्य जल पात्रों की नियमित सफाई करें। लार्वा सर्वे और स्रोत नियंत्रण जैसी गतिविधियों को लगातार जारी रखने पर जोर दिया जा रहा है। जिले में डेंगू के मामले नियंत्रण में हैं, परंतु मलेरिया के 10 मामले आए हैं। नागरिक अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं और बुखार होने पर तुरंत

नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। -डा. जोगेन्द्र तंवर, मलेरिया नोडल अधिकारी

डीट्या ने ताइक्वांडो में जीता गोल्ड

कोसली। सूरज स्कूल की छात्रा डीट्या स्वामी ने ता इ व वॉ डो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डीट्या स्वामी ने 19वीं सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर साउथ डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली कैंट में किया गया। इस उपलब्धि में कोच परमेश के मार्गदर्शन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। डीट्या की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, कोच और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है।



फोटो : हरिभूमि



रेवाड़ी। रोटरी क्लब रेवाड़ी सिटी की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी।

साहिल खुराना, रवि चौधरी, विनय भाटिया व मीनाक्षी अरोड़ा सहित रोटरी के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पदाधिकारी और क्लब के सदस्य मौजूद थे।

इस अवसर पर वर्ष 2026-27 के लिए रोटरी क्लब रेवाड़ी सिटी की नई टीम की घोषणा की गई, जिसमें विनीता यादव को प्रधान, सुमित्रा उपा प्रधान, रोटेरियन रिपी गर्ग को क्लब सचिव व डा. करतार

सिंह को प्रेस सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जरूरतमंदों की सहायता और अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ

लेकर जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। नई टीम के पदाधिकारियों ने क्लब के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से रोटरी क्लब रेवाड़ी सिटी को सेवा कार्यों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा। समारोह के दौरान आगामी वर्ष के सेवा प्रकल्पों को लेकर भी चर्चा की गई।

निगम ने खरखड़ा की व्यायामशाला से हटाई बिजली लाइन

■ व्यायामशाला में अभ्यास करने वाले युवाओं के लिए खतरा कम हो गया
हरिभूमि न्यूज़►►रेवाड़ी

बिजली निगम की ओर से गांव खरखड़ा स्थित व्यायामशाला के बीच से गुजर रही बिजली की लाइन को हटा दिया गया है। निगम की ओर से यह कार्रवाई मानवाधिकार आयोग में मामले की सुनवाई के बाद की गई। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश खरखड़ा की ओर से व्यायामशाला के बीच से गुजर रहे बिजली के तारों को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि व्यायामशाला के



रेवाड़ी। व्यायामशाला से हटाई गई बिजली की लाइन।

फोटो : हरिभूमि

बीच से गुजर रही बिजली की लाइन में युवाओं के अभ्यास के दौरान सुरक्षा के लिहाज से चिंता का विषय थी। इस संबंध में संबंधित विभागों के समक्ष मामला उठाने के बाद मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज करवाई गई

थी। मानवाधिकार आयोग में सुनवाई के बाद बिजली निगम ने कार्रवाई करते हुए व्यायामशाला के बीच से गुजर रही लाइन को हटा दिया है। इससे व्यायामशाला में अभ्यास करने वाले युवाओं के लिए खतरा कम हो गया है।

न्यूज़ डायरी



एचयूसीटीए ने यूपीएससी में थर्ड रैंक प्राप्त करने पर एकांश दुल का किया सम्मान

रेवाड़ी। एचयूसीटीए के प्रतिनिधिमंडल ने आईजीयू युनिवर्सिटी की अध्यक्ष डा. कर्मवती यादव के नेतृत्व में बीजेपी प्रवक्ता कृष्ण दुल के सुप्रभ एकांश दुल को यूपीएससी में एआईआर-3 रैंक प्राप्त करने पर कॉमर्स विभाग में आयोजित कार्यक्रम में बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल ने कृष्ण दुल व एकांश दुल का अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व में सभी की जॉइनिंग सुनिश्चित कराने में दिए गए सहयोग, मार्गदर्शन एवं सकारात्मक भूमिका के लिए कृष्ण दुल का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर कृष्ण दुल ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वास दिलाया कि आगामी मानसून सत्र में जॉब सिक्योरिटी एक्ट पारित कराने तथा सभी अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर्स के रोजगार को सुरक्षित करने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

इंगरवास में जलभराव से ग्रामीण परेशान प्रशासन से की समाधान की मांग

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित गांव इंगरवास में पिछले चार दिनों से बरसात का पानी जमा होने से ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। गांव के मुख्य रास्ते पर भी दो से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है, जिससे ग्रामीणों की आवाजाही बाधित हो गई है। गांव निवासी हेमंत यादव ने जिला प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने बताया कि अगस्त माह की शुरूआत से गांव के करीब आधे हिस्से में पानी जमा है और आसपास से तेज बहाव के साथ अतिरिक्त पानी भी गांव की ओर आ रहा है। इससे ग्रामीणों की आवाजाही बाधित हो गई है और रोजमर्रा के कामकाज, खेत-खलिहान तथा जरूरी सेवाओं तक पहुंच में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पानी लंबे समय तक रुक रहने से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ने और नुकसान की आशंका भी है। ग्रामीणों ने नालों व निकासी मार्गों की तत्काल सफाई करवाकर पानी की उचित निकासी कराने की मांग की है।



शिव महापुराण कथा एवं सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का पूजन 13 से

रेवाड़ी। शहर के गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएसजी सिटी के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में शिव महापुराण कथा, सवा लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं महामृत्युंजय जप पूजन का आयोजन आगामी 13 अगस्त से 21 अगस्त तक किया जाएगा। प्रतिदिन 3 बजे से शाम 6 बजे तक कथा वाचक लखन महाराज चित्रकूट वाले शिव महापुराण कथा का वाचन करेंगे। 13 अगस्त को कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का शुभारंभ होगा। प्रतिदिन सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया जाएगा। मंदिर के पुजारी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि आयोजन में प्रतिदिन अलग-अलग यजमान पूजा पाठ करेंगे। 22 अगस्त को कथा के समापन पर प्रसाद वितरण होगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान राधेय्याम गुप्ता, विजय गुप्ता, रिपुद्वान गुप्ता, रवि गुप्ता, पंडित रमेश चंद शर्मा, शक्ति यादव, अनिल किशानवी, रमेश सारदेवा, संदीप भारद्वाज, मनीष शर्मा, लक्ष्मण गर्ग, राज गर्ग, कैलाश चंद भारद्वाज, महेंद्र गोयल, अश्वनी तिवारी तथा नरेश यादव होंगे।

केंद्रीय श्रमिक संगठनों का जेल भरो आंदोलन आज

रेवाड़ी। केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीपीसी के जिला सचिव शेरसिंह मीरपुर ने कहा कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त आह्वान पर 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन के तहत जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दी जाएंगी और केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों का पुनःजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड रद्द करने, भारत-अमेरिका डील रद्द करने, सरकारी विभागों के निजीकरण पर रोक लगाने व खाली पदों को भरने, सभी फसलों के खरीद की गारंटी के साथ सीएल 50 प्रतिशत एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने, किसान व मजदूरों के कर्ज माफी करने, बिजली संशोधन बिल-2025 वापस लेने, बिजली निजीकरण पर रोक लगाने, आशा, मिड-डे मील और आंगनबाड़ी सहित स्कूली कैंटीन को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन लागू करने, नगरेया स्क्रीन को बहाल कर मजदूरों को साल में 200 दिव काम और 700 रुपये दिहाड़ी देने, निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण व हित लाभ प्रक्रिया को सरल बनाने, सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने आदि मुद्दों को उठाया जाएगा।

विधायक आज सुनेंगे लोगों की समस्याएं

कोसली। विधायक अनिल यादव 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक कार्यालय में क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनेंगे। विधायक ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याएं सुन कर मौके पर ही उनका समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने कहा कि नागरिक अपनी शिकायत को एक साफ कागज पर लिख कर लाएं, जिससे कि उन पर त्वरित कार्रवाई हो सके।

ट्रस्ट ने की सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

रेवाड़ी। रविवार को कुतुबपुर स्थित धानक चौपाल में संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरिसिंह ने की। इस मौके पर रेणु डाबला को हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर समाज के अनेक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई। संस्था के प्रधान वेदप्रकाश बनवाल, महासचिव दयाराम मोरवाल व खजंजी संदीप सोलंकी ने ट्रस्ट के 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक के खर्च का ब्योरा पेश किया। इस मौके पर ओमप्रकाश डाबला, सुभाष सोलंकी, अतरसिंह खटक, विजय सिंह डाबला, विजय सिंह इंंदौरा, अशोक मसीत, गुलशन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार, प्रकाश, डा. प्रभाती लाल, राकेश कुमार, रवि इंंदौरा, प्रवीण, दलीप ठेकेदार, प्रेमप्रकाश, रामोता नाहड़, देशराज, प्रताप सिंह, रमेश चंद, जगवीर सिंह, गजराज, ब्रह्मदत्त थानेदार व देशराज डाबला मौजूद थे।

अगली सुनवाई तक डीडीपीओ से मांगा जवाब

मामले में मानवाधिकार आयोग ने अगली सुनवाई तक जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी से जवाब मांगा है। अब विभाग को आयोग के समक्ष अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। प्रकाश ने कहा कि बिजली की लाइन हटाना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन जब तक व्यायामशाला में पर्याप्त स्टीट लाइटों की व्यवस्था नहीं दी जाती, तब तक युवाओं के लिए अभ्यास करना परेशानी बना रहेगा।

बारिश में कचरा चारदीवारी से बहकर रास्ते तक पहुंचा

एनजीटी में मामला विचाराधीन, फिर भी खेल स्टेडियम के गेट पर डाला जा रहा कचरा



रेवाड़ी। खेल स्टेडियम के पास लगा कचरे का अंबार।

फोटो : हरिभूमि

के बिल्कुल नजदीक तक पहुंच चुका है। बारिश के कारण कचरे से निकलने वाला दूषित तरल पदार्थ चारदीवारी के नीचे से बहकर

स्टेडियम के आसपास के रास्तों तक पहुंच रहा है। इससे दुर्गंध के साथ-साथ आसपास का वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है।

स्टेडियम की बدهाल स्थिति भी गंभीर समस्या

राजीव गांधी खेल स्टेडियम वर्तमान में नियमित रूप से खिलाड़ियों के उपयोग में नहीं है। इसके बावजूद स्टेडियम जैसी सार्वजनिक संपत्ति के मुख्य गेट और चारदीवारी के पास खुले में कचरा डंप किया जाना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि सार्वजनिक परिसर के आसपास ही कचरे का अंबार रहेगा तो मलिन्य में इसके उपयोग और खरखराव की स्थिति को लेकर भी चिंता बनी रहेगी।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शिकायत भेजी

सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने इस मामले को लेकर हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगरपालिका धारूहेड़ा और जिला उपायुक्त को शिकायत भेजी है। शिकायत में स्टेडियम के मुख्य गेट एवं चारदीवारी के पास जमा कचरे को तत्काल हटाने और इस स्थान को स्थाई रूप से कचरा डंपिंग पॉइंट के रूप में बद करने की मांग की गई है। उन्होंने मौके का निरीक्षण कराने, कचरे के कारण उत्पन्न लैण्ड व प्रदूषण की स्थिति को जॉब करने तथा कचरा डंप करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों अथवा संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।